



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....  
२१.२.२०२१

दिनांक २१.२.२०२१.....पृष्ठ संख्या.....6.....कॉलम.....1-4.....

# एचएयू का खरीफ कृषि मेला भी होगा वर्चुअल फसलों में विविधिकरण रहेगा मुख्य विषय

एचएयू का वर्चुअल कृषि मेला नौ और 10 मार्च को, प्रगतिशील किसान होंगे सम्मानित

जागरण संवाददाता, हिसार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार दूसरी बार कृषि मेले को वर्चुअल रूप से आयोजित करेगा। विश्वविद्यालय कोरोना काल को देखते हुए विवि ने यह फैसला लिया है। विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित कृषि मेले हर बार किसी खास विषय को लकर आयोजित किए जाते रहे हैं। इस बार के खरीफ कृषि मेले का मुख्य विषय फसलों में विविधिकरण रखा गया है। किसान जागरूक हों और अपने खेतों से अधिक से अधिक आमदनी हासिल करें।

वेब प्लेटफार्म पर लगाई जाएगी प्रदर्शनी : विस्तार शिक्षा निदेशक डा. आरएस हुड़ा की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की एक बैठक आयोजित की गई जिसमें मेले के सफल आयोजन के लिए जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इस वर्चुअल मेले के लिए एक वेब प्लेटफार्म बनाया जाएगा जिसके द्वारा चौधरी चरण सिंह हरियाणा



विश्वविद्यालय के कुलपति प्रौफेसर समर सिंह का फाइल फोटो।

### किसानों से बढ़चढ़ कर हिस्सा लेने का किया आह्वान

कुलपति प्रौ. समर सिंह ने बताया कि गत वर्ष 13 व 14 अक्टूबर को भी वर्चुअल कृषि मेला(रवी) आयोजित किया गया था, जो सफल रहा था। इसमें किसानों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया था। इस मेले का मुख्य विषय फसल अवशेषों का प्रबंधन रखा गया था, जिसके चलते प्रदेश में इस दिशा में बहुत अधिक लोग जागरूक हुए हैं।

माध्यम से देश के समस्त किसानों तक पहुंचाना चाहते हैं तो वह अपना ऑनलाइन माध्यम से पंजीकरण करवा सकते हैं। इस दो-दिवसीय वर्चुअल कृषि मेले के दौरान किसानों को तकनीकी जानकारी प्रदान करने के लिए कृषि विशेषज्ञों की सहायता से विभिन्न वेबिनार भी आयोजित किए जाएंगे व किसानों से सीधा संवाद करके उनकी कृषि समस्याओं का निदान करने का प्रयास किया जाएगा।

सह-निदेशक डा. सुनील ढांडा ने बताया कि विश्वविद्यालय के सभी 19 कृषि विज्ञान केंद्र अपने-अपने जिलों में किसानों को इस वर्चुअल कृषि मेले से जोड़ेंगे। खेतों में विशेष योगदान देने वाले हर जिले के एक प्रातिशील किसान को कृषि विज्ञान केन्द्र पर ही सम्मानित किया जाएगा। इस वर्चुअल कृषि मेले के माध्यम से विश्वविद्यालय के विज्ञानीयों द्वारा विकसित नई व आधुनिक तकनीकों के साथ उत्तम गुणवत्ता वाली फसलों बीजों की जानकारी भी मुहैया करवाई जाएगी।

कृषि विश्वविद्यालय, महाराष्ट्रा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, लाला लाजपतराय पशु विकित्सा एवं विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) के विभिन्न विभागों, कृषि संबंधी प्राइवेट फर्मों एवं सरकारी विभागों की वर्चुअल प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। इसके अलावा वर्चुअल मेले के माध्यम से किसानों को विश्वविद्यालय के कृषि अनुसंधान फार्म में खड़ी रबी फसलों का वर्चुअल भ्रमण भी

करवाया जाएगा। इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से किसान विश्वविद्यालय के खरीफ फसलों के बीजों की उपलब्धता भी सुनिश्चित कर सकेंगे। ऑनलाइन स्टाल के लिए करवा सकते हैं पंजीकरण : मेला अधिकारी एवं सह-निदेशक (विस्तार शिक्षा) डा. कृष्ण यादव ने बताया कि जो सरकारी विभाग एवं प्राइवेट कंपनियां अपनी योजनाओं एवं उत्पादों को इस वर्चुअल मेले के



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पैनिक संवारा.....

दिनांक २७.२.२२। पृष्ठ संख्या.....७..... कॉलम.....३-६.....

**फसलों में विविधिकरण होगा मुख्य विषय : प्रोफेसर समर सिंह**

# हृषि में वर्चुअल कृषि मेला ९ व १० मार्च को

हिसार, 26 फरवरी (सुरेन्द्र सोढ़ी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय दूसरी बार कृषि मेले को वर्चुअल रूप से आयोजित करेगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने उक्त फैसला कोरोन महामारी के चलते लिया है ताकि मेले का भी आयोजन हो सके और किसानों को भी अधिक से अधिक लाभ मिल सके। विस्तार शिक्षा निदेशक डा. आर.एस. हुड्डा की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की एक बैठक आयोजित की गई जिसमें मेले के सफल आयोजन के लिए जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। डा. आर.एस. हुड्डा ने बताया कि इस वर्चुअल मेले के लिए एक वैब प्लेटफार्म बनाया जाएगा जिसके द्वारा चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, लाला लाजपतराय पशु चिकित्सा एवं



कुलपति प्रोफेसर समर सिंह।

विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) के विभिन्न विभागों, कृषि संबंधी प्राइवेट फर्मों एवं सरकारी विभागों की वर्चुअल प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। इसके अलावा वर्चुअल मेले के माध्यम से किसानों को विश्वविद्यालय के कृषि अनुसंधान फर्म में खड़ी रबी फसलों का वर्चुअल भ्रमण भी करवाया जाएगा।

**ऑनलाइन स्टॉल के लिए करवा सकते हैं पंजीकरण**  
मेला अधिकारी एवं सह-निदेशक (विस्तार शिक्षा) डा. कृष्ण यादव ने बताया कि जो सरकारी विभाग एवं प्राइवेट कंपनियां अपनी योजनाओं एवं उत्पादों को इस वर्चुअल मेले के माध्यम से देश के समस्त किसानों तक पहुंचाना चाहते हैं तो वे अपना ऑनलाइन माध्यम से पंजीकरण करवा सकते हैं। इस दो-दिवसीय वर्चुअल कृषि मेले के द्वारा किसानों को तकनीकी जानकारी प्रदान करने हेतु कृषि विशेषज्ञों की सहायता से विभिन्न वैज्ञान भी आयोजित किए जाएंगे व किसानों से सीधा संवाद करके उनकी कृषि सम्बन्धित समस्याओं का निदान करने का प्रयास किया जाएगा।

### प्रातिशील किसानों को किया जाएगा सम्मानित

डा. सुनील ढाण्डा, सह-निदेशक (किसान परामर्श सेवा) ने बताया कि विश्वविद्यालय के सभी 19 कृषि विज्ञान केन्द्र अपने-अपने जिलों में किसानों को इस वर्चुअल कृषि मेले से जोड़ेंगे तथा खेती में विशेष योगदान देने वाले हर जिले के एक प्रातिशील किसान को कृषि विज्ञान केन्द्र पर ही सम्मानित किया जाएगा। इस वर्चुअल कृषि मेले के माध्यम से विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित नई व आधुनिक तकनीकों के साथ-साथ उत्तर व उत्तम गुणवत्ता वाले विभिन्न फसलों व सब्जियों के बीजों की जानकारी भी मुहैया करवाई जाएगी। मेले की तैयारियों को अतिम रूप देने के लिए आयोजन समिति सदस्य जुटे हुए हैं, ताकि किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पડ़े।

साथ ही इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से फसलों के बीजों की उपलब्धता भी किसान विश्वविद्यालय के खरीफ सुनिश्चित कर सकेंगे।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पंजाब मास्टर.....

दिनांक २७.२.२०२१....पृष्ठ संख्या.....६.....कॉलम.....।८५.....

# कोरोना के चलते एचएयू का फैसला • मेले का आयोजन हो सके और किसानों को लाभ मिले, विषय-फसलों में विविधिकरण एचएयू का वर्चुअल कृषि मेला ९ और १० मार्च को

भास्कर न्यूज़ | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार दूसरी बार कृषि मेले को वर्चुअल आयोजित करेगा। एचएयू के कुलपति प्रो. समर सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने उक्त फैसला कोरोना महामारी के चलते लिया है ताकि मेले का आयोजन हो सके और किसानों को अधिक लाभ मिल सके। ९ और १० मार्च को वर्चुअल कृषि मेला (खरीफ) होगा।

बीसी ने बताया कि विश्वविद्यालय इस बार के खरीफ कृषि मेले का मध्य विषय 'फसलों

### वेब प्लेटफार्म पर लगाई जाएगी प्रदर्शनी

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा की अध्यक्षता में एचएयू के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की एक बैठक हुई जिसमें मेले के सफल आयोजन के लिए जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। डॉ. आरएस हुड्डा ने बताया कि इस वर्चुअल मेले के लिए एक वेब प्लेटफार्म बनाया जाएगा जिसके द्वारा चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, लाला लाजपतराय पशु चिकित्सा एवं

विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) के विभिन्न विभागों, कृषि संबंधी प्राइवेट फर्मों एवं सरकारी विभागों की वर्चुअल प्रदर्शनी लगाई जाएगी। इसके अलावा वर्चुअल मेले के माध्यम से किसानों को विश्वविद्यालय के कृषि अनुसंधान फार्म में खड़ी रबी फसलों का वर्चुअल भ्रमण करवाया जाएगा। साथ ही इस प्लेटफार्म के माध्यम से किसान विश्वविद्यालय के खरीफ फसलों के बीजों की उपलब्धता भी सुनिश्चित कर सकेंगे।

ऑनलाइन स्टॉल के लिए करा सकते हैं पंजीकरण मेला अधिकारी एवं सह-निदेशक (विस्तार शिक्षा) डॉ. कृष्ण यादव ने बताया कि जो सरकारी विभाग एवं प्राइवेट कंपनियां अपनी योजनाओं एवं उत्पादों को इस वर्चुअल मेले के माध्यम से देश के समस्त किसानों तक पहुंचाना चाहते हैं तो वे अपना ऑनलाइन माध्यम से पंजीकरण करवा सकते हैं। इस दो-दिवसीय वर्चुअल कृषि मेले के दौरान किसानों को तकनीकी जानकारी प्रदान करने के लिए कृषि विशेषज्ञों की सहायता से विभिन्न वेबिनार भी आयोजित किए जाएंगे व किसानों से सीधा संवाद करके उनकी कृषि सम्बन्धित समस्याओं का निदान करने का प्रयास किया जाएगा।

में विविधीकरण' रखा गया है, ताकि किसान जागरूक हों और अपने खेतों से अधिक आमदनी हासिल

करें। गत वर्ष 13 व 14 अक्टूबर को भी वर्चुअल कृषि मेला (खरीफ) आयोजित किया गया था, जो सफल

रहा था। इसमें किसानों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया था। इस मेले का मध्य विषय फसल अवशेषों का लोग जागरूक हुए हैं।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....ज़ि.भृ.उद्ध।ता.....

दिनांक २७.२.२०२१...पृष्ठ संख्या.....३.....कॉलम.....६.७.....

### वर्चुअल होगा एचएयू का खरीफ कृषि मेला : प्रो. समर

हिसार (ब्यूरो)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार दूसरी बार कृषि मेले को वर्चुअल रूप से आयोजित करेगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने यह फैसला कोरोना महामारी के चलते लिया है, ताकि मेले का भी आयोजन हो सके और किसानों को भी अधिक लाभ मिल सके।

उन्होंने बताया कि इस बार 9 व 10 मार्च को आयोजित होने वाले खरीफ कृषि मेले का मुख्य विषय फसलों में विविधीकरण रखा गया है। पिछले साल 13 व 14 अक्टूबर को भी वर्चुअल कृषि मेला (रबी) आयोजित किया गया था,

जिसका मुख्य विषय फसल अवशेषों का प्रबंधन रखा गया था। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें मेले के सफल आयोजन के लिए जिम्मेदारियां सौंपी गई। डॉ. हुड्डा ने बताया कि इस वर्चुअल मेले के लिए एक वेब प्लेटफॉर्म बनाया जाएगा, जिसके द्वारा हकूम, महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, लाला लाजपतराय पशु चिकित्सा एवं विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) के विभिन्न विभागों, कृषि संबंधी प्राइवेट फर्मों एवं सरकारी विभागों की वर्चुअल प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	26.02.2021	--	--

# एचएयू का खरीफ कृषि मेला भी होगा वर्चुअल, फसलों में विविधिकरण होगा मुख्य विषय : प्रोफेसर समर सिंह

## एचएयु का वर्चुअल कृषि मेला ( खरीफ ) 9 व 10 मार्च को

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 26 फरवरी : चौधरी चरण विश्वविद्यालय हिसार दूसरी बार कृषि मेले को वर्चुअल रूप से आयोजित करेगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने उक्त फैसला कोरोना महामारी के चलते लिया है ताकि मेले का भी आयोजन हो सके और किसानों को भी अधिक से अधिक लाभ मिल सके। उहोंने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित कृषि मेले हर बार किसी खास विषय को लकर आयोजित किए जाते रहे हैं। इस बार के खरीफ



कृषि मेले का मुख्य विषय 'फसलों में विविधिकरण' रखा गया है, ताकि किसान जागरूक हों और अपने खेतों से अधिक से अधिक आमदनी हासिल करें। गत वर्ष 13 व 14 अक्टूबर को भी वर्चुअल कृषि मेला(रबी) आयोजित किया गया था, जो सफल

रहा था। इसमें किसानों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया था। इस मेले का मुख्य विषय फसल अवशेषों का प्रबंधन रखा गया था, जिसके चलते प्रदेश में इस दिशा में बहुत अधिक लोग जागरूक हुए हैं। प्रदेश सरकार भी इस ओर सराहनीय कदम उठा रही है। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की एक बैठक आयोजित की गई जिसमें मेले के सफल आयोजन के लिए जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। मेला अधिकारी एवं सह-निदेशक (विस्तार शिक्षा)डॉ. कृष्ण यादव ने बताया कि किसानों को

तकनीकी जानकारी प्रदान करने हेतु कृषि विशेषज्ञों की सहायता से विभिन्न वेबिनार भी आयोजित किए जाएंगे व किसानों से सीधा संवाद करके उनकी कृषि सम्बन्धित समस्याओं का निदान करने का प्रयास किया जाएगा। डॉ. सुनील ढाण्डा, सह-निदेशक (किसान परामर्श सेवा) ने बताया कि विश्वविद्यालय के सभी 19 कृषि विज्ञान केन्द्र अपने-अपने जिलों में किसानों को इस वर्चुअल कृषि मेले से जोड़ेंगे तथा खेती में विशेष योगदान देने वाले हर जिले के एक प्रगतिशील किसान को कृषि विज्ञान केन्द्र पर ही सम्मानित किया जाएगा।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
देशबन्धु न्यूज	26.02.2021	--	--

# एचएयू का खरीफ कृषि मेला भी होगा वर्चुअल

हिसार, 26 फरवरी  
(देशबन्धु)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार दूसरी बार कृषि मेले को वर्चुअल रूप से आयोजित करेगा। विश्वविद्यालय प्रशासन ने यह फैसला कोरोना महामरी के चलते लिया है ताकि मेले का भी आयोजन हो सके और किसानों को भी अधिक से अधिक लाभ मिल सके।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.समर सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित कृषि मेले हर बार किसी खास विषय को लकर आयोजित किए जाते रहे हैं। इस बार के खरीफ कृषि मेले का मुख्य विषय 'फसलों में विविधिकरण' रखा गया है, ताकि किसान जागरूक हों और अपने खेतों से अधिक से अधिक आमदानी हासिल करें। गत वर्ष 13

व 14 अक्टूबर को भी वर्चुअल कृषि मेला(रबी) आयोजित किया गया था, जो सफल रहा था। इसमें



- फसलों में विविधिकरण होगा मुख्य विषय
- वेब प्लेटफार्म पर लगाई जाएंगी प्रदर्शनी

किसानों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया था। इस मेले का मुख्य विषय फसल अवशेषों का प्रबंधन रखा गया था, जिसके चलते प्रदेश में इस दिशा में बहुत अधिक लोग जागरूक हुए हैं। प्रदेश सरकार भी इस ओर सराहनीय कदम उठा रही है।

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय के अधिकारियों एवं

कर्मचारियों की एक बैठक हुई जिसमें मेले के सफल आयोजन के लिए जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। डॉ. आरएस हुड्डा ने बताया कि इस वर्चुअल मेले के लिए एक वेब प्लेटफार्म बनाया जाएगा जिसके द्वारा हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, लाला लाजपतराय परगु चिकित्सा एवं विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) के विभिन्न

### प्रातिशील किसानों को किया जाएगा सम्मानित

डॉ. सुनील ढांडा, सह-निदेशक (किसान परामर्श सेवा) ने बताया कि विश्वविद्यालय के सभी 19 कृषि विज्ञान केन्द्र अपने-अपने जिलों में किसानों को इस वर्चुअल कृषि मेले से जोड़ेंगे तथा खेती में विशेष योगदान देने वाले हर जिले के एक प्रातिशील किसान को कृषि विज्ञान केन्द्र पर ही सम्मानित किया जाएगा। साथ ही वैज्ञानिकों द्वारा विकसित नई व आधुनिक तकनीकों के साथ-साथ उत्तर व उत्तम गुणवत्ता वाले विभिन्न फसलों व सब्जियों के बीजों की जानकारी भी मुहैया करवाई जाएगी।

विभागों, कृषि संबंधी प्राइवेट फर्मों एवं सरकारी विभागों की वर्चुअल प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पल पल न्यूज	26.02.2021	--	--

## एचएयू का खरीफ कृषि मेला भी होगा वर्चुअल, फसलों में विविधिकरण होगा मुख्य विषयः प्रो. समर सिंह

पल पल न्यूजः हिसार, 26 फरवरी। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार दूसरी बार कृषि मेले को वर्चुअल रूप से आयोजित करेगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने उक्त फैसला कोरोना महामारी के चलते लिया है ताकि मेले का भी आयोजन हो सके और किसानों को भी अधिक से अधिक लाभ मिल सके। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित कृषि मेले हर बार किसी खास विषय को लकर आयोजित किए जाते रहे हैं। इस बार के खरीफ कृषि मेले का मुख्य विषय 'फसलों में विविधीकरण' रखा गया है, ताकि किसान जागरूक हों और अपने खेतों

से अधिक से अधिक आमदनी हासिल करें। गत वर्ष 13 व 14 अक्टूबर को भी वर्चुअल कृषि मेला (रबी) आयोजित किया गया था, जो सफल रहा था। इसमें किसानों ने बढ़-चढ़र रहित हिस्सा लिया था। इस मेले का मुख्य विषय फसल अवशेषों का प्रबंधन रखा गया था, जिसके चलते प्रदेश में इस दिशा में बहुत अधिक लोग जागरूक हुए हैं। प्रदेश सरकार भी इस ओर सराहनीय कदम उठा रही है। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की एक बैठक आयोजित की गई जिसमें मेले के सफल आयोजन के लिए जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। डॉ. आर.एस. हुड्डा ने बताया कि इस वर्चुअल मेले के लिए एक नेटवर्क बनाया जाएगा जिसके द्वारा चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, लाला लाजपतराय पशु चिकित्सा एवं विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) के विभिन्न विभागों, कृषि संबंधी प्राइवेट फर्मों एवं सरकारी विभागों की वर्चुअल प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। इसके अलावा वर्चुअल मेले के माध्यम से किसानों को विश्वविद्यालय के कृषि अनुसंधान फार्म में खड़ी रबी फसलों का वर्चुअल भ्रमण भी करवाया जाएगा। साथ ही इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से किसान विश्वविद्यालय के खरीफ फसलों के बीजों की उपलब्धता भी सुनिश्चित कर सकेंगे।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	26.02.2021	--	--

एचएयू का वर्चुअल कृषि मेला (खरीफ) का आयोजन 9 व 10 मार्च को

### एचएयू का खरीफ कृषि मेला भी होगा वर्चुअल, फसलों में विविधिकरण होगा मुख्य विषय : प्रो. समर सिंह

#### पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा एक कृषि मेले का आयोजन हो सकते हैं और विस्तीर्णों को भी अधिक से अधिक लाभ मिल सके। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित कृषि मेले हर बार विस्तीर्ण सामाजिक कानूनों की एक बड़ी अपील का लकर आयोजित किया जाता रहा है। इस बार के खरीफ कृषि मेले का मुख्य विषय आयोजन के लिए विभिन्नताओं सहित 'फसलों में विविधिकरण' रखा गया है, ताकि विस्तार जागरूक हों और अनेक खेतों से कि इस वर्चुअल मेले के लिए एक अधिक से अधिक आदानी हासिल करो। यह वेब स्ट्रीटफॉर्म बनाया जाएगा जिसके बारे 13 व 14 अक्टूबर को भी वर्चुअल कृषि मेला (खरीफ) आयोजित किया गया था, जो विश्वविद्यालय, महाराणा प्रताप विश्वविद्यालय, लाला सावधारण य पशु विकिसा एवं विज्ञान विश्वविद्यालय (लुधियां) मेले का मुख्य विषय

फसल अवधोरों का प्रबंधन रखा गया था, जिसके बावजूद प्रसरा में इस विद्यालय में बहुत अधिक लोग आएँकरह रहे हैं। प्रसरा सकार भी इस और विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय प्रसरा ने उन्होंने फसलों को बढ़ावा दी रखा है। ताकि मेले का भी आयोजन हो सके और विस्तीर्णों को भी अधिक से अधिक लाभ मिल सके। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित कृषि मेले हर बार विस्तीर्ण सामाजिक कानूनों की एक बड़ी अपील का लकर आयोजित किया जाता रहा है। इस बार के खरीफ कृषि मेले का मुख्य विषय आयोजन के लिए विभिन्नताओं सहित 'फसलों में विविधिकरण' रखा गया है, ताकि विस्तार जागरूक हों और अनेक खेतों से कि इस वर्चुअल मेले के लिए एक अधिक से अधिक आदानी हासिल करो। यह वेब स्ट्रीटफॉर्म बनाया जाएगा जिसके



अनुसंधान पर्याम में खड़ी रखी फसलों का वर्चुअल प्रसरा भी कालाया जाएगा। यहाँ ही इस घटकार्य के माध्यम से विस्तार विश्वविद्यालय के वर्चुअल फसलों के बीचों की भी सुनिश्चित कर सकेंगा। अनुसंधान स्तरन के लिए कालाया सकते हैं पंचकृषि। मेला अधिकारी एवं महानिदेशक (विद्यालय शिक्षा) डॉ. कृष्ण यादव ने बताया कि जो सरकारी विभाग एवं प्राइवेट कंपनियों अपनी योजनाओं एवं उन्होंने को स्व वर्चुअल मेले के माध्यम से देख के समर्थन करते हुए विद्यालय यादव हैं तो वे अपना अन्वेषण मार्गमन से विविधिकरण करते सकते हैं। इस दो-दिवसीय वर्चुअल कृषि मेले के दौरान विविधिकरण के बीचों की जानकारी भी मौजूद हो देने के लिए आयोजन समिति सदस्य जुटे हुए हैं, ताकि विस्तारों को किसी भी प्रकार की परशानियों का सामना न करना पाए।

समस्याओं का निदान करने का प्रयास किया जाएगा। प्रतिशील किसानों को किया जाएगा समानित दूसरे दूसरा, सह-नियोजन (विद्यालय परम्परा सेवा) के बाब्या कि विश्वविद्यालय के सभी 19 कृषि विभाग के अन्न-अपने जिलों में विस्तारों के इस वर्चुअल कृषि मेले से जोड़ी तथा खेतों में विशेष योगदान देने वाले हर जिले के एक प्रगतिशील किसान को कृषि विज्ञान केन्द्र पर ही समर्पित किया जाएगा। इस वर्चुअल कृषि मेले के माध्यम से विश्वविद्यालय के विद्यार्थी द्वारा विविधिकरण व आयुषिक तकनीकों के साध-साध उत्तर व उत्तम गुणवत्ता यात्रा विभिन्न फसलों व सज्जियों के बीचों की जानकारी भी मौजूद हो देने के लिए आयोजन समिति सदस्य जुटे हुए हैं, ताकि विस्तारों को किसी भी प्रकार की परशानियों का सामना न करना पाए।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज़	25.02.2021	--	--

## एचएयू का वर्चुअल कृषि मेला (खरीफ) 9 व 10 मार्च को

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार दूसरी बार कृषि मेले को वर्चुअल रूप से आयोजित करेगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने उक्त फैसला कोरोना महामारी के चलते लिया है ताकि मेले का भी आयोजन हो सके और किसानों को भी अधिक से अधिक लाभ मिल सके। उन्होंने बताया कि इस बार के खरीफ कृषि मेले का मुख्य विषय 'फसलों में विविधीकरण' रखा गया है, ताकि किसान जागरूक हों और अपने खेतों से अधिक से अधिक आमदनी हासिल करें। पिछले वर्ष 13 व 14 अक्टूबर को भी वर्चुअल कृषि मेला(खरीफ) आयोजित किया गया था, जो सफल रहा था।

### प्रतिशील किसानों को किया जाएगा सम्मानित

डॉ. सुनील ढापड़ा, सह-निदेशक (किसान परिवर्त सेवा) ने बताया कि विश्वविद्यालय के सभी 19 कृषि विज्ञान केन्द्र अपने जिलों में किसानों को इस वर्चुअल कृषि मेले से जोड़ना तथा खेतों में विशेष योगदान देने वाले हर जिले के एक प्रमुखीया विज्ञान को कृषि विज्ञान केन्द्र पर भी सम्मानित किया जाएगा। इस वर्चुअल कृषि मेले के माध्यम से विश्वविद्यालय के फैजानिकों द्वारा विकसित नई व आधुनिक तकनीकों के साथ-साथ उत्तर व उत्तर गुणवत्ता वाले विभिन्न फसलों व सब्जियों के बीजों की जानकारी भी गुहार्या करावई जाएगी। जेले की तैयारियों को अतिक रूप देने के लिए आयोजन समिति सदस्य जुटे हुए हैं, ताकि किसानों को किसी भी प्रकार की घटेशालियों का सामना न करना पड़े।

वेब प्लेटफार्म पर लगाई जाएंगी प्रदर्शनी। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की एक बैठक आयोजित की गई जिसमें मेले के सफल आयोजन के लिए जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। डॉ.

आर.एस. हुड्डा ने बताया कि इस वर्चुअल मेले के लिए एक वेब प्लेटफार्म बनाया जाएगा जिसके द्वारा चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, लाला लाजपतराय पर्शु चिकित्सा एवं विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) के

विभिन्न विभागों, कृषि संबंधी प्राइवेट फर्मों एवं सरकारी विभागों की वर्चुअल प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। ऑनलाइन स्टॉल के लिए करवा सकते हैं पंजीकरण मेला अधिकारी एवं सह-निदेशक (विस्तार शिक्षा) डॉ. कृष्ण यादव ने बताया कि जो सरकारी विभाग एवं प्राइवेट कंपनियां अपनी योजनाओं एवं उपादानों को इस वर्चुअल मेले के माध्यम से देश के समस्त किसानों तक पहुंचाना चाहते हैं तो वे अपना ऑनलाइन माध्यम से पंजीकरण करवा सकते हैं। इस दो-दिवसीय वर्चुअल कृषि मेले के दौरान किसानों को तकनीकी जानकारी प्रदान करने हेतु कृषि विशेषज्ञों की सहायता से विभिन्न बैंबनाए भी आयोजित किए जाएंगे व किसानों से सीधा संवाद करके उनकी कृषि सम्बन्धित समस्याओं का निदान करने का प्रयास किया जाएगा।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	26.02.2021	--	--

### ‘फसलों में विविधीकरण’ पर आधारित होगा वर्चुअल खरीफ कृषि मेला

हिसार/26 फरवरी/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय दूसरी बार कृषि मेले को वर्चुअल रूप से आयोजित करेगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने उक्त फैसला कोरोना महामारी के चलते लिया है ताकि मेले का भी आयोजन हो सके और किसानों को भी अधिक से अधिक लाभ मिल सके। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित कृषि मेले हर बार किसी खास विषय को लकर आयोजित किए जाते रहे हैं। इस बार के खरीफ कृषि मेले का मुख्य विषय ‘फसलों में विविधीकरण’ रखा गया है, ताकि किसान जागरूक हों और अपने खेतों से अधिक से अधिक आमदनी हासिल करें।

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड़ा की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की एक बैठक आयोजित की गई जिसमें मेले के आयोजन के लिए जिम्मेदारियां सौंपी गईं। डॉ. हुड़ा ने बताया कि इस वर्चुअल मेले के लिए एक वैब प्लेटफॉर्म बनाया जाएगा जिसके द्वारा चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, लाला लाजपतराय पशु चिकित्सा एवं विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) के विभिन्न विभागों, कृषि संबंधी प्राइवेट फर्मों एवं सरकारी विभागों की वर्चुअल प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। इसके अलावा वर्चुअल मेले के माध्यम से किसानों को विश्वविद्यालय के

कृषि अनुसंधान फार्म में खड़ी रबी फसलों का वर्चुअल भ्रमण भी करवाया जाएगा। साथ ही इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से किसान विश्वविद्यालय के खरीफ फसलों के बीजों की उपलब्धता भी सुनिश्चित कर सकेंगे। मेला अधिकारी एवं सह निदेशक (विस्तार शिक्षा) डॉ. कृष्ण यादव ने बताया कि इस दो-दिवसीय वर्चुअल कृषि मेले के दौरान किसानों को तकनीकी जानकारी प्रदान करने हेतु कृषि विशेषज्ञों की सहायता से विभिन्न वैबीनार भी आयोजित किए जाएंगे। डॉ. सुनील ढाण्डा, सह निदेशक (किसान परामर्श सेवा) ने बताया कि खेती में विशेष योगदान देने वाले हर जिले के एक प्रगतिशील किसान को कृषि विज्ञान केन्द्र पर ही सम्मानित किया जाएगा।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	26.02.2021	--	--

### किसान उत्पाद समूह ने किया एबिक सेंटर का भ्रमण

हिसार/26 फरवरी/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक केंद्र स्टार्टअप्स के साथ-साथ किसान उत्पादक समूहों को भी बढ़ावा दे रहा है। इसके लिए एबिक में किसान उत्पादक समूह इससे संबंधित जानकारी हासिल करने के लिए भ्रमण कर रहे हैं। यह जानकारी देते हुए एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि सोहना (गुरुग्राम) से

संतोष सिंह के नेतृत्व में किसान उत्पाद समूह जिसमें 25 किसान शामिल थे, इस बेकरी यूनिट के बारे में बारीकी से तकनीकी और व्यवहारिक जानकारी हासिल करने के लिए आया थे। इस दौरान उन्होंने पूरी बेकरी यूनिट का भ्रमण किया और इसके अलग-अलग पहलुओं पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि नाबांड की सहायता से स्थापित एबिक केंद्र की इस यूनिट में बेकरी के सभी उत्पाद आधुनिक तकनीकों

व अनुसंधान के आधार पर तैयार किए जा सकेंगे। भ्रमण के दौरान उन्हें एबिक व विश्वविद्यालय द्वारा उनके व्यवसाय को आगे बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण व अन्य माध्यमों से की जाने वाली सहायता के बारे में भी बताया गया। एबिक के तकनीकी मैनेजर एवं बेकरी यूनिट के इंचार्ज इंजीनियर अर्पित तनेजा ने बताया कि किसान उत्पादक समूह एबिक से जुड़कर अपने व्यवसाय को आगे बढ़ा सकते हैं।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
देशबन्धु न्यूज	26.02.2021	--	--

### स्टार्टअप के साथ-साथ किसान उत्पादक समूह को भी बढ़ावा दे रहा एबिक

हिसार(एस.जैन)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक केंद्र स्टार्टअप्स के साथ-साथ किसान उत्पादक समूहों को भी बढ़ावा दे रहा है। इसके लिए एबिक में किसान उत्पादक समूह इससे संबंधित जानकारी हासिल करने के लिए भ्रमण कर रहे हैं। एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि सोहना (गुरुग्राम) से किसान उत्पाद समूह जिसमें 25 किसान शामिल थे, इस बेकरी यूनिट के बारे में बारीकी से तकनीकी और व्यवहारिक जानकारी हासिल करने के लिए एबिक केंद्र में भ्रमण करने आए थे। इस दौरान उन्होंने पूरी बेकरी यूनिट का भ्रमण किया और इसके अलग-अलग पहलुओं पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि नाबांड की सहायता से स्थापित एबिक केंद्र की इस यूनिट में बेकरी के सभी उत्पाद आधुनिक तकनीकों व अनुसंधान के आधार पर तैयार किए जा सकेंगे। भ्रमण के दौरान उन्हें एबिक व विश्वविद्यालय द्वारा उनके व्यवसाय को आगे बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण व अन्य माध्यमों से की

जाने वाली सहायता के बारे में भी बताया गया। एबिक के तकनीकी मैनेजर एवं बेकरी यूनिट के इंचार्ज इंजीनियर अर्पित तनेजा ने बताया कि किसान उत्पादक समूह एबिक से जुड़कर अपने व्यवसाय को आगे बढ़ा सकते हैं। उन्होंने बताया कि एबिक की टीम उनकी हर संभव मदद करेगी। इसके अलावा प्राइवेट पब्लिक पार्टनरशिप के तहत समूह एबिक से जुड़कर अपने व्यवसाय को नए आयाम दे सकते हैं। उन्होंने किसानों को नए किसान उत्पादक समूह बनाने में आने वाली विभिन्न परेशानियों से अवगत कराते हुए उनके समाधान के बारे में जानकारी दी। साथ ही बताया कि एबिक की टीम उन्हें इसके लिए मेटर से प्रशिक्षण दिलवाना, चार्टड अंकाउटेंट, पंजीकरण आदि विभिन्न प्रक्रियाओं को पूरा करने में मदद करेगी। इसके अलावा एबिक के साथ पंजीकृत होने के उपरांत उन्हें विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक भी आधुनिक तकनीकों के बारे में समय-समय पर जागरूक व प्रशिक्षित करते रहेंगे।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जीवन आधार	<b>26.02.2021</b>	<b>Online</b>	--



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

प्रैनि ५ सप्ते

दिनांक २७.२.२०२१ पृष्ठ संख्या..... ७ कॉलम..... ५८

### एबिक के एबिक में भ्रमण करने पहुंचे सोहना के किसान

हिसार, 26 फरवरी (सुरेन्द्र सोढी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक केंद्र में शुक्रवार को सोहना से 25 किसानों का एक दल भ्रमण के लिए पहुंचा। स्टार्टअप्स के साथ-साथ किसान उत्पादक समूहों को भी बढ़ावा दे रहा है एबिक केंद्र किसान उत्पादक समूह इससे संबंधित जानकारी हासिल करने में उत्सुकता दिखाई। यहां पहुंचे किसानों ने अपने अनुभव भी साझा किए।

एबिक की नोडल अधिकारी डा. सीमा रानी ने बताया कि गुरुग्राम के सोहना से किसान उत्पाद समूह जिसमें 25 किसान शामिल थे, इस बेकरी यूनिट के बारे में बारीकी से तकनीकी और व्यवहारिक जानकारी हासिल करने के लिए एबिक केंद्र में भ्रमण करने आए थे। इस दौरान उन्होंने पूरी



किसान उत्पादक समूह सदस्योंको जानकारी देते एबिक टीम सदस्य।

#### जागरूक व प्रशिक्षित करने की योजना

एबिक की टीम उन्हें इसके लिए मैटर से प्रशिक्षण दिलवाना, चार्टड अंकाऊटैट, पंजीकरण आदि विभिन्न प्रक्रियाओं को पूरा करने में मदद करेगी। उन्होंने बताया कि सोहना से संतोष सिंह के नेतृत्व में किसानों का एक समूह ने एबिक का भ्रमण कर विभिन्न पहलुओं को बारीकी से जाना।

बेकरी यूनिट का भ्रमण किया और इसके अलग-अलग पहलुओं पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि नाबाई की आधार पर तैयार किए जा सकेंगे। इस यूनिट में बेकरी के सभी उत्पाद आधुनिक तकनीकों व अनुसंधान के आधार पर तैयार किए जा सकेंगे।

#### कृषि उद्यमियों के लिए भी मदद करेगी एबिक टीम

एबिक के तकनीकी मैनेजर एवं बेकरी यूनिट के इंचार्ज इंजीनियर अपित तनेजा ने बताया कि किसान उत्पादक समूह एबिक से जुड़कर अपने व्यवसाय को आगे बढ़ा सकते हैं। उन्होंने बताया कि एबिक की टीम उनकी हर संभव मदद करेगी। उन्होंने किसानों को नए किसान उत्पादक समूह बनाने में आगे बाली विभिन्न परेशानियों से अवगत कराते हुए उनके समाधान के बारे में जानकारी दी।

विश्वविद्यालय द्वारा उनके व्यवसाय को आगे बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण व अन्य माध्यमों से की जाने वाली सहायता के बारे में भी बताया गया।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....नि० १२ ज० १५ अ० २०२१, अ० १२ ३५१।।  
दिनांक २०.२.२०२१....पृष्ठ संख्या.....५.....२ कॉलम. ६४ - ३५, ६

### 25 किसानों के समूह ने किया एबिक का किया भ्रमण

जागरण संगदाता, हिसार : में किसान उत्पादक समूह इससे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि संबंधित जानकारी हासिल करने के विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक लिए भ्रमण कर रहे हैं। केंद्र स्टार्टअप्स के साथ-साथ नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी किसान उत्पादक समूहों को भी ने बताया कि सौहना (गुरुग्राम) बढ़ावा दे रहा है। इसके लिए एबिक से किसान उत्पाद समूह जिसमें 25 यूनिट का भ्रमण किया।

### गुरुग्राम के 25 किसान एचएयू के एबिक सेंटर में पहुंचे बेकरी यूनिट के बारे में बारीकी से तकनीकी और व्यवहारिक जानकारी हासिल की

भारकर न्यूज़ | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक केंद्र स्टार्टअप्स के साथ किसान उत्पादक समूहों को बढ़ावा दे रहा है। इसके लिए एबिक में किसान उत्पादक समूह इससे संबंधित जानकारी हासिल करने के लिए भ्रमण कर रहे हैं। यह जानकारी देते हुए एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि सौहना (गुरुग्राम) से किसान उत्पाद समूह जिसमें 25 किसान शामिल थे, इस बेकरी यूनिट के बारे में बारीकी से तकनीकी और व्यवहारिक जानकारी हासिल करने के लिए एबिक केंद्र आए थे।

स्टार्टअप के साथ किसान उत्पादक समूह  
को भी बढ़ावा दे रहा है एबिक : डॉ. सीमा

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक स्टार्टअप के साथ-साथ किसान उत्पादक समूहों को भी बढ़ावा दे रहा है। इसके लिए एबिक में किसान उत्पादक समूह इससे संबंधित जानकारी हासिल करने के लिए भ्रमण कर रहे हैं। एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि सौहना (गुरुग्राम) से किसान उत्पाद समूह ने शुक्रवार को बेकरी यूनिट का दौरा किया। सौहना से संतोष सिंह के नेतृत्व में पहुंचे इस दल में 25 किसान शामिल थे। उन्होंने बेकरी के बारे में बारीकी से तकनीकी और व्यवहारिक जानकारी हासिल की। एबिक के तकनीकी मैनेजर एवं बेकरी यूनिट के इंचार्ज इंजीनियर अर्पित तरंजा ने बताया कि किसान उत्पादक समूह एबिक से जुड़कर अपने व्यवसाय को आगे बढ़ा सकते हैं।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिरसा टूडे न्यूज	26.02.2021	--	--

## किसान उत्पादक समूह ने किया एविक का भ्रमण



हिसार | सिरसा टूडे

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एविक केंद्र स्टार्टअप्स के साथ-साथ किसान उत्पादक समूहों को भी बढ़ावा दे रहा है। इसके लिए एविक में किसान उत्पादक समूह इससे संबंधित जानकारी हासिल करने के लिए भ्रमण कर रहे हैं। यह जानकारी देते हुए एविक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि सोहना(गुरुग्राम) से किसान उत्पाद

समूह जिसमें 25 किसान शामिल थे, इस बेकरी यूनिट के बारे में बारीकी से तकनीकी और व्यवहारिक जानकारी हासिल करने के लिए एविक केंद्र में भ्रमण करने आए थे। इस दौरान उन्होंने पूरी बेकरी यूनिट का भ्रमण किया और इसके अलग-अलग पहलुओं पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि नाबाड़ की सहायता से स्थापित एविक केंद्र की इस यूनिट में बेकरी के सभी उत्पाद आधुनिक तकनीकों व अनुसंधान के आधार पर तैयार किए

### कृषि उद्यमियों के लिए भी मदद करेगी एविक टीम

एविक के तकनीकी मैनेजर एवं बेकरी यूनिट के इंचार्ज इंजीनियर अर्पित तेजा ने बताया कि किसान उत्पादक समूह एविक से जुड़कर अपने व्यवसाय को आगे बढ़ा सकते हैं। उन्होंने बताया कि एविक की टीम उनकी हर संभव मदद करेगी। इसके अलावा प्राइवेट पब्लिक पार्टनरशिप के तहत समूह एविक से जुड़कर अपने व्यवसाय को नए आयाम दे सकते हैं। उन्होंने किसानों को नए किसान उत्पादक समूह बनाने में आने वाली विभिन्न परेशानियों से अवगत कराते हुए उनके समाधान के बारे में जानकारी दी। साथ ही बताया कि एविक की टीम उन्हें इसके लिए मेटर से प्रशिक्षण दिलवाना, चार्ट्ड अंकाउटेंट, पंजीकरण आदि विभिन्न प्रक्रियाओं को पूरा करने में मदद करेगी। इसके अलावा एविक के साथ पंजीकृत होने के उपरांत उन्हें विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक भी आधुनिक तकनीकों के बारे में समय-समय पर जागरूक बनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि सोहना से संतोष सिंह के नेतृत्व में किसानों का एक समूह ने एविक का भ्रमण कर विभिन्न पहलुओं को बारीकी से जाना।

जा सकेंगे। भ्रमण के दौरान उन्हें एविक व विश्वविद्यालय द्वारा उनके व्यवसाय को आगे बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण व अन्य माध्यमों से की जाने वाली सहायता के बारे में भी बताया गया।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिसार टूडे न्यूज	26.02.2021	--	--

### स्टार्टअप्स के साथ-साथ किसान उत्पादक समूह को भी बढ़ावा दे रहा है एबिक



टुडे न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक केंद्र स्टार्टअप्स के साथ-साथ किसान उत्पादक समूहों को भी बढ़ावा दे रहा है। इसके लिए एबिक में किसान उत्पादक समूह इससे संबंधित जानकारी हासिल करने के लिए भ्रमण कर रहे हैं। यह जानकारी देते हुए एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि सोहना(गुरुग्राम) से किसान उत्पाद समूह जिसमें 25 किसान शामिल थे, इस बेकरी यूनिट के बारे में बारीकी से तकनीकी और व्यवहारिक जानकारी हासिल करने के लिए एबिक केंद्र में भ्रमण करने आए थे। इस दौरान उन्होंने पूरी बेकरी यूनिट का भ्रमण किया और इसके अलग-अलग पहलुओं पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि नाबार्ड की सहायता से स्थापित एबिक केंद्र की इस यूनिट

में बेकरी के सभी उत्पाद आधुनिक तकनीकों व अनुसंधान के आधार पर तैयार किए जा सकेंगे। भ्रमण के दौरान उन्हें एबिक व विश्वविद्यालय द्वारा उनके व्यवसाय को आगे बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण व अन्य माध्यमों से की जाने वाली सहायता के बारे में भी बताया गया।

एबिक के तकनीकी मैनेजर एवं बेकरी यूनिट के इंचार्ज इंजीनियर अर्पित तर्नैजा ने बताया कि किसान उत्पादक समूह एबिक से जुड़कर अपने व्यवसाय को आगे बढ़ा सकते हैं। उन्होंने बताया कि एबिक की टीम उनकी हर संभव मदद करेगी। इसके अलावा प्राइवेट पब्लिक पार्टनरशिप के तहत समूह एबिक से जुड़कर अपने व्यवसाय को नए आयाम दे सकते हैं। उन्होंने किसानों को नए किसान उत्पादक समूह बनाने में आने वाली विभिन्न परेशानियों से अवगत कराते हुए उनके समाधान के बारे में जानकारी दी।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	26.02.2021	--	--

# स्टार्टअप्स के साथ-साथ किसान उत्पादक समूह को भी बढ़ावा दे रहा है एबिक

### पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 26 फरवरी : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक केंद्र स्टार्टअप्स के साथ-साथ किसान उत्पादक समूहों को भी बढ़ावा दे रहा है। इसके लिए एबिक में किसान उत्पादक समूह इससे संबंधित जानकारी हासिल करने के लिए भ्रमण कर रहे हैं। यह जानकारी देते हुए एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि सोहना(गुरुग्राम) से किसान उत्पाद समूह जिसमें 25 किसान शामिल थे, इस बेकरी यूनिट के बारे में बारीकी से तकनीकी और व्यवहारिक जानकारी हासिल करने के लिए एबिक केंद्र में भ्रमण करने आए थे। इस दौरान उन्होंने परी बेकरी यूनिट का भ्रमण किया और इसके अलग-अलग पहलुओं पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि नाबांड की सहायता से स्थापित एबिक केंद्र



की इस यूनिट में बेकरी के सभी उत्पाद आधुनिक तकनीकों व अनुसंधान के आधार पर तैयार किए जा सकेंगे। भ्रमण के दौरान उन्हें एबिक व विश्वविद्यालय द्वारा उनके व्यवसाय को आगे बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण व अन्य माध्यमों से की जाने वाली सहायता के बारे में भी बताया गया। एबिक के तकनीकी मैनेजर एवं बेकरी यूनिट के इंचार्ज इंजीनियर अर्पित तरंजा ने बताया कि किसान उत्पादक समूह एबिक से जुड़कर अपने व्यवसाय को आगे बढ़ा सकते हैं। उन्होंने बताया कि एबिक की टीम उनकी हर संभव मदद करेगी। इसके अलावा प्राइवेट पब्लिक पार्टनरशिप के तहत समूह एबिक से जुड़कर अपने व्यवसाय को नए आयाम दे सकते हैं। उन्होंने किसानों को नए किसान उत्पादक समूह बनाने में आने वाली विभिन्न परेशानियों से अवगत कराते हुए उनके समाधान के बारे में जानकारी दी। साथ ही बताया कि एबिक की टीम उन्हें इसके लिए मेंटर से प्रशिक्षण दिलवाना, चार्टर्ड अंकाउंटेंट, पंजीकरण आदि विभिन्न प्रक्रियाओं को पूरा करने में मदद करेगी। इसके अलावा एबिक के साथ पंजीकृत होने के उपरांत उन्हें विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक भी आधुनिक तकनीकों के बारे में समय-समय पर जागरूक व प्रशिक्षित करते रहेंगे। उन्होंने बताया कि सोहना से संतोष सिंह के नेतृत्व में किसानों का एक समूह ने एबिक का भ्रमण कर विभिन्न पहलुओं को बारीकी से जाना।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार न्यूज	26.02.2021	--	--

# स्टार्टअप्स के साथ किसान उत्पादक समूह को भी बढ़ावा दे रहा है एबिक

## सोहना से 25 किसानों के किसान उत्पादक समूह ने किया एबिक का भ्रमण

हिसार, 26 फरवरी (राजकुमार) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक केंद्र स्टार्टअप्स के साथ-साथ किसान उत्पादक समूहों को भी बढ़ावा दे रहा है। इसके लिए एबिक में किसान उत्पादक समूह इससे संबंधित जानकारी हासिल करने के लिए भ्रमण कर रहे हैं। यह जानकारी देते हुए एबिक की मोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि सोहना (गुरुग्राम) से किसान उत्पादक समूह जिसमें 25 किसान शामिल थे, इस बेकरी यूनिट के बारे में बारीकी से तकनीकी और व्यवहारिक जानकारी हासिल करने के लिए एबिक केंद्र में भ्रमण करने आए थे। इस दौरान उन्होंने पूरी बेकरी यूनिट का भ्रमण किया और इसके अलग-अलग पहलुओं पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि नवाहाँ की सहायता से स्थापित एबिक केंद्र की इस यूनिट में बेकरी के सभी उत्पाद आधुनिक

तकनीकों व अनुसंधान के आधार पर तैयार किए जा सकेंगे। भ्रमण के दौरान उन्हें एबिक व विश्वविद्यालय द्वारा उनके व्यवसाय को आगे बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण व अन्य माध्यमों से की जाने वाली सहायता के बारे में भी बताया गया।

**कृषि उद्यमियों के लिए भी मदद करेगी एबिक टीम**

एबिक के तकनीकी मैनेजर एवं बेकरी यूनिट के इंचार्ज इंजीनियर अपित तनेजा ने बताया कि किसान उत्पादक समूह एबिक से जुड़कर अपने व्यवसाय को आगे बढ़ा सकते हैं। उन्होंने बताया

कि एबिक की टीम उनकी हर संभव मदद करेगी। इसके अलावा प्राइवेट एबिक पर्टनरशिप के तहत समूह एबिक से जुड़कर अपने व्यवसाय को नए आयाम दे सकते हैं। उन्होंने किसानों को नए किसान उत्पादक समूह बनाने में आने वाली विभिन्न परेशानियों से अवगत कराते हुए उनके समाधान के बारे में जानकारी दी।

साथ ही बताया कि एबिक की टीम उन्हें इसके लिए मैटर से प्रशिक्षण दिलचारा, चार्टर्ड अकाउंटेंट, पंजीकरण आदि विभिन्न प्रक्रियाओं को पूरा करने में मदद करेगी।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
देशबन्धु न्यूज	26.02.2021	--	--

## स्टार्टअप्स के साथ-साथ किसान उत्पादक समूह को भी बढ़ावा दे रहा एबिक

हिसार, 26 फरवरी (देशबन्धु)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक केंद्र स्टार्टअप्स के साथ-साथ किसान उत्पादक समूहों को भी बढ़ावा दे रहा है। इसके लिए एबिक में किसान उत्पादक समूह इससे संबंधित जानकारी हासिल करने के लिए भ्रमण कर रहे हैं।

एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि सोहना (गुरुग्राम) से किसान उत्पाद समूह जिसमें 25 किसान शामिल थे, इस बेकरी यूनिट के बारे में बारीकी से तकनीकी और व्यवहारिक जानकारी हासिल करने के लिए एबिक केंद्र में भ्रमण करने आए थे। इस दौरान उन्होंने पूरी बेकरी यूनिट का भ्रमण किया और इसके अलग-अलग पहलुओं पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि

**कृषि उद्यमियों  
के लिए भी  
मद्द करेगी  
एबिक टीम**

नाबांड की सहायता से स्थापित एबिक केंद्र की इस यूनिट में बेकरी के सभी उत्पाद आधुनिक तकनीकों व अनुसंधान के आधार पर तैयार किए जा सकेंगे। भ्रमण के दौरान उन्हें एबिक व विश्वविद्यालय द्वारा उनके व्यवसाय को आगे बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण व अन्य माध्यमों से की जाने वाली सहायता के बारे में भी बताया गया। एबिक के तकनीकी मैनेजर एवं बेकरी यूनिट के इंचार्ज इंजीनियर अर्पित तनेजा ने बताया कि किसान उत्पादक समूह एबिक से जुड़कर अपने व्यवसाय को आगे बढ़ा सकते हैं। उन्होंने बताया कि एबिक की टीम उनकी हर संभव मद्द करेगी। इसके अलावा प्राइवेट पब्लिक पार्टनरशिप के तहत समूह एबिक से जुड़कर अपने व्यवसाय को नए आयाम दे सकते हैं।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जीवन आधार	26.02.2021	Online	--

A photograph showing a group of approximately 15-20 people standing in front of a building entrance. The entrance has a sign that reads "ABIC BAKERY UNIT". A large white banner is held by several individuals in the center. The banner features text in Hindi and English. The English text on the banner reads:

ABIC BAKERY UNIT  
SUSTAINABLE  
Bakery

The banner also includes smaller text at the bottom right corner.

सोहना से 25 किसानों के किसान उत्पादक समूह ने किया एविक का भ्रमण

अनुभव अपनी विद्यालयाता में स्थापित करके बैठ रहा था कि उसका विद्यालय बड़ी भौं खो गया है और वह इसकी खोज में अपनी जान लेना चाहता है। उसके बाहर एक छोटा सा बच्चा आ रहा था जिसकी ओर उसका ध्यान लग गया। उसका विद्यालय बड़ी भौं खो गया है और वह इसकी खोज में अपनी जान लेना चाहता है। उसके बाहर एक छोटा सा बच्चा आ रहा था जिसकी ओर उसका ध्यान लग गया।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... दीन कुल १९२७, जमुना ता. १.....  
दिनांक २७.२.२०२१... पृष्ठ संख्या..... ५, ३..... कॉलम ७.६, १.....

### एचएयू में कल मनाया जाएगा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस : सिंह

जगरण संघदाता, हिसार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक एवं मानविकी महाविद्यालय द्वारा 28 फरवरी को वर्चुअल राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन किया जाएगा।

महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजवीर सिंह ने बताया कि कार्यक्रम में मौलिक एवं मानविकी महाविद्यालय के पूर्व अधिष्ठाता डॉ. कुलदीप सिंह ढाँडसा मुख्यातिथि होंगे। जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह करेंगे। कार्यक्रम में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के रसायन विभाग से प्रो. किरण सिंह मुख्य वक्ता होंगे। डॉ. राजवीर सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य राष्ट्र

निर्माण में विज्ञान एवं तकनीकी के माध्यम से युवाओं को प्रेरित करना है। उन्होंने बताया कि आज से कई वर्ष पूर्व 28 फरवरी के दिन भारतीय विज्ञानी डॉ. रमन सिंह के द्वारा रमन प्रभाव की खोज की गई थी। 28 फरवरी को उनके इस प्रयास को भविष्य में हमेशा याद रखने के लिए वर्ष 1986 में नेशनल काउंसिल फॉर साइंस एंड टेक्नालॉजी कम्युनिकेशन द्वारा हर वर्ष विज्ञान दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की गई और तब से लेकर अब तक 28 फरवरी को हम राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य लोगों के बीच में विज्ञान के प्रति और जागरूकता पैदा करना है।

### कल मनाया जाएगा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक एवं मानविकी महाविद्यालय द्वारा 28 फरवरी को वर्चुअल राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन किया जाएगा।

महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजवीर सिंह ने बताया कि कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक और मौलिक एवं मानविकी महाविद्यालय के पूर्व अधिष्ठाता डॉ. कुलदीप सिंह ढाँडसा मुख्यातिथि होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह करेंगे। कार्यक्रम में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के रसायन विभाग से प्रो. किरण सिंह मुख्य वक्ता के रूप में भाग लेंगे। डॉ. राजवीर सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य राष्ट्र निर्माण में विज्ञान एवं तकनीकी के माध्यम से युवाओं को प्रेरित करना है। ब्यूरो



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... कैफीन कैफीन, कैफीन कैफीन

दिनांक २७.२.२०२१ पृष्ठ संख्या..... ७,५ कॉलम..... ३-४, ।

### एचएयू में २८ फरवरी को मनाया जाएगा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

हिसार, २६ फरवरी (सुरेंद्र सोढी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक एवं मानविकी महाविद्यालय द्वारा २८ फरवरी को वर्चुअल राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. राजवीर सिंह ने बताया कि कार्यक्रम में अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक एवं मौलिक व मानविकी महाविद्यालय के पूर्व अधिष्ठाता डा. कुलदीप सिंह ढींडसा मुख्यालिय होंगे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह करेंगे। कार्यक्रम में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के रसायन विभाग से प्रोफेसर किरण सिंह मुख्य वक्ता होंगे। डा. राजवीर सिंह ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य राष्ट्र निर्माण में विज्ञान एवं तकनीकी के माध्यम से युवाओं को प्रेरित करना है। उन्होंने बताया कि आज से कई वर्ष पूर्व २८ फरवरी के दिन भारतीय वैज्ञानिक डा. रमन सिंह के द्वारा रमन प्रभाव की खोज की गई थी। उन्होंने बताया कि इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य लोगों के बीच में विज्ञान के प्रति और जागरूकता पैदा करना है। इतना ही नहीं इस दिवस के जरिए बच्चों को विज्ञान को बताए और अपने करियर को चुनने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है, ताकि हमारे देश की आनेवाली पीढ़ी विज्ञान के क्षेत्र में अपना योगदान दे सके और हमारे देश की ओर तरक्की हो सके।

### एचएयू में २८ फरवरी को मनाया जाएगा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

हिसार | एचएयू के मौलिक एवं मानविकी कॉलेज २८ फरवरी को वर्चुअल राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन करेगा। यह जानकारी देते हुए कॉलेज के अधिष्ठाता डा. राजवीर सिंह ने बताया कि कार्यक्रम में अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक एवं मौलिक एवं मानविकी कॉलेज के पूर्व अधिष्ठाता डा. कुलदीप सिंह ढींडसा मुख्यालिय होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जीजेयू के कुलपति प्रो. समर सिंह करेंगे। कार्यक्रम में कुरुक्षेत्र विवि के रसायन विभाग से प्रोफेसर किरण सिंह मुख्य वक्ता होंगे। डा. राजवीर सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य राष्ट्र निर्माण में विज्ञान एवं तकनीकी के माध्यम से युवाओं को प्रेरित करना है। कई वर्ष पहले २८ फरवरी के दिन भारतीय वैज्ञानिक डा. रमन सिंह के द्वारा रमन प्रभाव की खोज की गई थी। ऐसे में वर्ष १९८६ में नेशनल काउंसिल फॉर साइंस एंड टेक्नोलॉजी कम्युनिकेशन द्वारा हर वर्ष २८ फरवरी को विज्ञान दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की गई थी।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	26.02.2021	--	--

### एचएयू में 28 को मनाया जाएगा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

**अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक डॉ. कुलदीप  
सिंह ढींडसा होंगे मुख्यातिथि**

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक एवं मानविकी महाविद्यालय द्वारा 28 फरवरी को वर्चुअल राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजवीर सिंह ने बताया कि कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक एवं मौलिक एवं मानविकी महाविद्यालय के पूर्व अधिष्ठाता डॉ. कुलदीप सिंह ढींडसा मुख्यातिथि होंगे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह करेंगे। कार्यक्रम में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के रसायन विभाग से प्रोफेसर किरण सिंह मुख्य वक्ता होंगे। डॉ. राजवीर सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य राष्ट्र निर्माण में विज्ञान एवं तकनीकी के माध्यम से युवाओं को प्रेरित करना है। उन्होंने बताया कि आज से कई वर्ष पूर्व 28 फरवरी के दिन भारतीय वैज्ञानिक डॉ. रमन सिंह के द्वारा रमन प्रभाव की खोज की गई थी। इस दिन को एक यादगार बनाने के लिए 28 फरवरी को उनके इस प्रयास को भविष्य में हमेशा याद रखने के लिए वर्ष 1986 में नेशनल कार्डिसिल फॉर साइंस एंड टेक्नालजी कम्युनिकेशन द्वारा हर वर्ष विज्ञान दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की गई और तब से लेकर अब तक 28 फरवरी को हम राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य लोगों के बीच में विज्ञान के प्रति और जागरूकता पैदा करना है। इतना ही नहीं इस दिवस के जरिए बच्चों को विज्ञान को बताएं अपने करियर को चुनने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है, ताकि हमारे देश की आनेवाली पीढ़ी विज्ञान के क्षेत्र में अपना योगदान दे सके और हमारे देश की ओर तरक्की हो सके।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	26.02.2021	--	--

### एचएयू में 28 फरवरी को मनाया जाएगा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक डॉ. कुलदीप सिंह ढींडसा होंगे मुख्यातिथि

#### पाठकपक्ष न्यूज़

हिसार, 26 फरवरी : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक एवं मानविकी महाविद्यालय के पूर्व अधिष्ठाता डॉ. कुलदीप सिंह ढींडसा मुख्यातिथि होंगे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह करेंगे। कार्यक्रम में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के स्नायन विभाग से प्रोफेसर किरण सिंह मुख्य वक्ता होंगे। डॉ. राजवीर सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य राष्ट्र निर्माण में विज्ञान एवं तकनीकी के



माध्यम से युवाओं को प्रेरित करना है। उन्होंने बताया कि आज से कई वर्ष पूर्व 28 फरवरी के दिन भारतीय वैज्ञानिक डॉ. रमन सिंह के द्वारा रमन प्रभाव की खोज की गई थी। इस दिन को एक यादगार बनाने के लिए 28 फरवरी को उनके इस प्रयास को भविष्य में हमेशा याद रखने के लिए वर्ष 1986 में नेशनल कार्डिनेल फॉर साइंस एंड टेक्नोलॉजी कार्यालयों के बीच विज्ञान दिवस के रूप में मनाने की गई थी।

घोषणा की गई और तब से लेकर अब तक 28 फरवरी को हम राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य लोगों के बीच में विज्ञान के प्रति और जागरूकता पैदा करना है। इतना ही नहीं इस दिवस के जरिए बच्चों को विज्ञान को बढ़ाव देने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है, ताकि हमारे देश की आनेवाली पीढ़ी विज्ञान के क्षेत्र में अपना योगदान दे सके और हमारे देश की ओर तरक्की हो सके।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार न्यूज	26.02.2021	--	--

# एथेयू में कल मनाया जाएगा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक डॉ. कुलदीप सिंह ढींडसा होंगे मुख्यातिथि

हिसार, 26 फरवरी (राजकुमार) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक एवं मानविकी महाविद्यालय द्वारा 28 फरवरी को वर्चुअल राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजवीर सिंह ने बताया कि कार्यक्रम में अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक एवं मौलिक एवं मानविकी महाविद्यालय के पूर्व अधिष्ठाता डॉ. कुलदीप सिंह ढींडसा मुख्यातिथि होंगे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह करेंगे। कार्यक्रम में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के रसायन विभाग से प्रोफेसर किरण सिंह मुख्य वक्ता होंगे। डॉ. राजवीर सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य राष्ट्र निर्माण में विज्ञान एवं तकनीकी के माध्यम से युवाओं को प्रेरित करना है। उन्होंने बताया कि आज से कई वर्ष पूर्व

28 फरवरी के दिन भारतीय वैज्ञानिक डॉ. रमन सिंह के द्वारा रमन प्रभाव की खोज की गई थी। इस दिन को एक यादगार बनाने के लिए 28 फरवरी को उनके इस प्रयास को भविष्य में हमेशा याद रखने के लिए वर्ष 1986 में नेशनल काउंसिल फॉर साइंस एंड टेक्नालजी कम्युनिकेशन द्वारा हर वर्ष विज्ञान दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की गई और तब से लेकर अब तक 28 फरवरी को हम राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य लोगों के बीच में विज्ञान के प्रति ओर जागरूकता पैदा करना है। इतना ही नहीं इस दिवस के जरिए बच्चों को विज्ञान को बतौर अपने करियर को चुनने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, ताकि हम देश की आनेवाली पीढ़ी विज्ञान के क्षेत्र में अपना योगदान दे सके और हमारे देश की ओर तरकी हो सके।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	26.02.2021	--	--

### एचएयू में 28 फरवरी को मनाया जाएगा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

हिसार ( समस्त हरियाणा न्यूज )। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक एवं मानविकी महाविद्यालय द्वारा 28 फरवरी को वर्चुअल राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन किया जाएगा। यह



जानकारी देते हुए महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजवीर सिंह ने बताया कि कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक एवं मौलिक एवं मानविकी महाविद्यालय के पूर्व अधिष्ठाता डॉ. कुलदीप सिंह ढींढसा मुख्यातिथि होंगे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह करेंगे। कार्यक्रम में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के रसायन विभाग से प्रोफेसर किरण सिंह मुख्य वक्ता होंगे। डॉ. राजवीर सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य राष्ट्र निर्माण में विज्ञान एवं तकनीकी के माध्यम से युवाओं को प्रेरित करना है। उन्होंने बताया कि आज से कई वर्ष पूर्व 28 फरवरी के दिन भारतीय वैज्ञानिक डॉ. रमन सिंह के द्वारा रमन प्रभाव की खोज की गई थी। इस दिन को एक यादगार बनाने के लिए 28 फरवरी को उनके इस प्रयास को भविष्य में हमेशा याद रखने के लिए वर्ष 1986 में नेशनल काउंसिल फॉर साइंस एंड टेक्नालजी कम्युनिकेशन द्वारा हर वर्ष विज्ञान दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की गई और तब से लेकर अब तक 28 फरवरी को हम राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के रूप में मनाया जा रहा है।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	26.02.2021	--	--

### एयरपोर्ट में 28 फरवरी को मनाया जाएगा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

**अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक डॉ.  
कुलदीप सिंह ढींडसा होंगे मुख्यातिथि**

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक एवं मानविकी महाविद्यालय द्वारा 28 फरवरी को बचुअल राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजबीर सिंह ने बताया



कि कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक एवं मौलिक एवं मानविकी महाविद्यालय के पूर्व अधिष्ठाता डॉ. कुलदीप सिंह ढींडसा मुख्यातिथि होंगे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह करेंगे। कार्यक्रम में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के रसायन विभाग से ग्रोफसर किरण सिंह मुख्य वक्ता होंगे। डॉ. राजबीर सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य राष्ट्र निर्माण में विज्ञान एवं तकनीकी के माध्यम से युवाओं को प्रेरित करना है। उन्होंने बताया कि इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य लोगों के बीच में विज्ञान के प्रति ओर जागरूकता पैदा करना है। इतना ही नहीं इस दिवस के जरिए बच्चों को विज्ञान को बतौर अपने करियर को चुनने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है, ताकि हमारे देश की आनेवाली पीढ़ी विज्ञान के क्षेत्र में अपना योगदान दे सके और हमारे देश की ओर तरकी हो सके।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जीवन आधार	26.02.2021	Online	--

एचएयू में 28 फरवरी को मनाया जाएगा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस



### अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक डॉ. कुलदीप सिंह हींदसा होगे मुख्यातिथि

दिवार:

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गोलिक एवं मानविकी नहायितात्मक की ओर से 28 फरवरी को वर्षुअल राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन किया जाएगा। कलाकार में अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक एवं मानविकी नहायितात्मक के पूर्ण अधिकारी डॉ. कुलदीप सिंह हींदसा मुख्य अतिथि होंगे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गमर सिंह करेंगे। कार्यक्रम में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के रसायन विभाग से प्रोफेसर विरेण विहु मुख्य कर्ता होंगे।

महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. राजवीर सिंह ने कहा कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ऐसा विवरण में विज्ञान एवं तकनीकी के माध्यम से युवाओं की विशेष कराना है। उन्होंने बताया कि अब तो कई जां पूर्व 28 फरवरी के दिन भारतीय वैज्ञानिक डॉ. समन रिह छात्र रसायन प्रभाव की ओर की गई थी। इस दिन को एक व्यापार बाजार के लिए 28 फरवरी को उनके हासा प्राप्त की भवित्व में होमेना पाद रथाने के तिथि एवं 1986 में नेशनल कार्डिनल पार्लर साहस्रांश एड टेक्नोलॉजी कम्पनी कानूनी कानून द्वारा हाजी विज्ञान विद्याके क्षेत्र में सनातन की घोषणा की गई थी। और तब से तेकर अब तक 28 फरवरी को हम राष्ट्रीय विज्ञान के रूप में मनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य लोगों के बीच में विज्ञान के प्रति और जीवन का धोरण के बीच बच्चों की विज्ञान की बहोर आनंद कारिगर को कुनौन के तिए ५०० प्रोत्तराहित विज्ञान होता है, ताकि हमारे देश की आनंदाली पौँछी विज्ञान के हृत में आनंद योगदान दें सकें और हमारे देश की ओर तरकी ही रहे।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

भैनी कुमार

दिनांक २५.२.२०२१ पृष्ठ संख्या.....३१ कॉलम.....१८५.....

**भारकर खास** • इंजीनियर व सीए की नौकरी छोड़ दो दोस्तों ने एचएयू के एबिक सेंटर से ट्रेनिंग ले तैयार किया स्ट्रो, विदेशों तक धूम धूम दो दोस्तों ने कोल्ड ड्रिंक-जूस पीने को फ्लेवर्ड स्ट्रो पाइप की तैयार, न घुलेगी, न टूटेगी, चबा कर खा सकते हैं, प्लास्टिक पाइप के नुकसान से बचेगा पर्यावरण

महबूब अली | हिसार



फ्लेवर्ड स्ट्रो की खूबी: स्वादिष्ट होने के साथ मात्र 3 प्रतिशत थुगर, 9 माह तक नहीं होगी खराब, प्रोटीन से भी भरपूर

अब प्लास्टिक के स्ट्रो पाइप से जूस, कोल्ड ड्रिंक या अन्य पेय पदार्थ पीने की ज़रूरत नहीं पड़ेगी। बनारस के इंजीनियर शशांक गुप्ता, उनकी दोस्त सीए सिमरन राजपूत ने पर्यावरण को प्रदूषण मुक्त बनाने के उद्देश्य से चार साल पूर्व नौकरी छोड़ फ्लेवर्ड स्ट्रो तैयार करने की थानी। एचएयू के एबिक सेंटर से ट्रेनिंग लेकर छह फ्लेवर्ड से तैयार कीं। 9 माह तक स्ट्रो खराब नहीं होंगी। जूस से लेकर कोल्ड ड्रिंक, दूध में भी इस्तमाल होगी। स्ट्रो पेय पदार्थ में डालने के बाद भी घुलेगी नहीं। बाद में स्ट्रो को खाया भी जा सकेगा। विदेश में भी स्ट्रो की डिमांड है।

प्रदूषण को रोकने के उद्देश्य से तैयार किया था शशांक गुप्ता बताते हैं जूस, कोल्ड ड्रिंक आदि को लोग प्लास्टिक के स्ट्रो से पीते हैं। जिससे वायु प्रदूषण बढ़ता है। इसलिए उन्होंने फ्लेवर्ड स्ट्रो तैयार किया है। जिसे लोग पसंद कर रहे हैं।

मुंबई में शुरू किया था स्टार्टअप नैचुरल सीरिया यूज करके स्ट्रो को बनाया है। पहले मुंबई और हरियाणा में ही डिमांड थी। अब पुणे, यूपी, केरला, चेन्नई, आस्ट्रलिया, फ्रांस, स्पेन, यूएस, चीन, साउथ अफ्रीका, कोलकाता में भी है।

199 रुपये में मिल सकेगा एक डिब्बा शशांक गुप्ता बताते हैं कि फ्लेवर्ड स्ट्रो का एक डिब्बा 199 रुपये में मिल सकेगा। इसमें 20 स्ट्रो मौजूद रहते हैं। दूध, जूस या अन्य किसी पेय पदार्थ में स्ट्रो को डालकर उसका स्वाद लिया जा सकता है।

एबिक सेंटर की मदद से ही पाया मुकाम शशांक का कहना है स्ट्रो के स्टार्टअप को शुरू करकर मंजिल तक पहुंचाने में एचएयू के एबिक सेंटर के अधिकारियों का अहम योगदान रहा है। अभी भी एबिक सेंटर में उन्हें अब भी टिप्प दिए जा रहे हैं।

**तथा है स्ट्रो:** स्ट्रो एक तरह से छोटा सा पाइप होता है। जिसके माध्यम से जूस व अन्य पेय पदार्थ पीए जाते हैं।

■ शशांक गुप्ता और सिमरन राजपूत का फ्लेवर्ड स्ट्रो स्वादिष्ट होने के साथ-साथ 9 माह तक चलने वाला भी है। देश के साथ विदेश में भी अब स्ट्रो की डिमांड बढ़ी है। अभी दोनों को अन्य तकनीकी जानकारी भी स्टार्टअप को आगे ले जाने के लिए दी जा रही है। - प्रोफेसर समर सिंह, कुलपति, एचएयू, हिसार।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

१५ जून २०२१

दिनांक २७.२.२०२१ पृष्ठ संख्या..... ५ कॉलम..... १५

मौसम

राजस्थान में बना एंटी साइक्लोनिक सर्कुलेशन, हिसार में सामान्य से सात डिग्री बढ़ा हिसार का तापमान

# हिसार में 33.6 व नारनौंद 34.2 डिग्री रहा दिन का पारा

जागरण संवाददाता, हिसार : फरवरी माह जाते-जाते दिन का तापमान अपने ही रिकार्ड तोड़ता दिख रहा है। शुक्रवार को सीजन का सबसे गर्म दिन नारनौंद में 34.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह तापमान सामान्य से आठ डिग्री सेल्सियस अधिक है। अहम बात है कि फरवरी माह में 30 से लेकर 32 डिग्री सेल्सियस तापमान पिछले वर्ष रहा था मगर मौजूदा समय का तापमान पिछले वर्ष का रिकार्ड तोड़ रहा है।

इसी प्रकार हिसार में सामान्य तापमान से सात डिग्री अधिक 33.6 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। तापमान बढ़ने का एक बढ़ा कारण राजस्थान में बना एंटी साइक्लोनिक सर्कुलेशन है।

**बार-बार बदल रही हवा**

मध्य भारत में पुरवाई हवा अधिक चलने के कारण एंटी साइक्लोनिक सिस्टम राजस्थान के पास बना हुआ है। जिससे बार बार हवा में बदलाव हो रहा है। पश्चिमी विशेष मैदानी क्षेत्रों में न जाकर पहाड़ों की तरफ जा रहे हैं, उससे हवा में बार-बार बदलाव हो रहा है।



गेहूं की बालियों पर बढ़ा हुआ पीला रंग। ● जागरण

### तापमान बढ़ने से नहीं बल्कि मैग्नीज की कमी से गेहूं हो रहा पीला

खेती पूरी तरह से मौसम पर निर्भर होती है। यही कारण है कि फसलों में हल्का सा भी परिवर्तन हो तो किसान की चिंता बढ़ जाती है। राज्य में कई स्थानों से किसानों की शिकायत थी कि जब तक दिन का तापमान बढ़ा है तब से गेहूं का रंग परिवर्तित होने लगा है। यह

सिलसिला 10 दिनों से चल रहा है। ऐसे में किसानों को डर है कि कहीं उनकी फसल में पीला रुआ रोग तो नहीं फैल रहा। इसको लेकर कई किसान अभी तक वौधारी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में फोन कर चुके हैं। पहले विज्ञानियों ने

एचएयू के गेहूं अनुभाव ने किसानों को यह दी सलाह

एचएयू के गेहूं अनुभाव के विज्ञानियों की माने तो गेहूं में मैग्नीज पोषक तत्व की कमी दिख रही है। गेहूं की प्रारम्भिक वृद्धि अवस्था तथा गेहूं में बालियां निकलने के समय मैग्नीज की कमी के लक्षण दिखाई देने शुरू होते हैं। पत्तियों पर भूरे-पीले रंग की धारियां पत्ती के सिरे से शुरू होकर नीचे की ओर बनती हैं, पीढ़ी की बढ़वार कम हो जाती है। इसके साथ ही बालियां देर से व मुड़ी-तुड़ी होकर निकलती हैं।

### ऐसे करें उपचार

खड़ी फसल में मैग्नीज की कमी के लक्षण प्रकट होने पर 0.5 फीसद मैग्नीज सल्फेट के घोल अर्थात् 500 ग्राम मैग्नीज सल्फेट को 100 लीटर पानी में मिलाकर प्रति एकड़ छिड़काव करें। इसके बाद भी अधिक स्थिति ठीक न हो तो कृषि विशेषज्ञों से किसान सलाह ले सकते हैं।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... इनाम.....

दिनांक 27.2.2021..... पृष्ठ संख्या..... 3..... कॉलम..... 2-3.....

### पश्चिमी विक्षेप्ता के कारण कल से मौसम में बदलाव की संभावना

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। एचएयू के कृषि मौसम विभाग के अनुसार 27 फरवरी तक प्रदेश में दिन के तापमान में हल्की बढ़ोतरी की संभावना है। हालांकि उत्तर-पश्चिमी हवाएं चलने से रात्रि तापमान में गिरावट आ सकती है। 28 फरवरी से पश्चिमी-विक्षेप्ता की संभावना के कारण मौसम में बदलाव होगा।

तापमान में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। दिन में धूप पसीने छुड़ा रही है तो रात में भी तापमान 14 डिग्री सेल्सियस के आंकड़े को पार कर गया है। शुक्रवार को अंबाला का रात्रि तापमान प्रदेश में सबसे

अधिक 14.5 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। रोहतक, सिरसा, भिवानी और अंबाला चार ऐसे जिले रहे जहां का रात्रि तापमान 14 डिग्री से अधिक रहा। सबसे कम रात्रि तापमान करनाल का 11.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, अधिकतम तापमान की बात करें तो नारनील का अधिकतम तापमान 34.2 और हिसार का अधिकतम तापमान 33.6 डिग्री सेल्सियस रहा। प्रदेश में सभी स्थानों पर अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से अधिक दर्ज किया गया। वहीं हिसार का अधिकतम तापमान 33.6 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 12.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।